(२७) XIX/138

जीरादेई पोस्ट
१०, १, ४१ ई०

प्रिय श्री पद्मकान्त जी ,

प्रणाम . आप के श्रद्धेय पिता जी के स्वर्गारोहण की बात समाचारपत्रों में देखा . बहुत दुख हुआ . मृत्यु असामयिक होने से और भी शोक होता है . पर आप अपने परिवार के भार के वहन करने के सर्वथा योग्य हैं यह जान

राष्ट्रीय अभिलेखागार
भारत
National Archives
of India

कर कुछ संतोष होता है . मुझे विश्वास है कि आप इस आघात को बर्दाश्त कर लेंगे . और अपने पूज्य पिता जी के वियोग दुख को भी सहन कर लेंगे और मैं भगवान से इसी के लिए प्रार्थना करता हूं और आप के साथ और सारे परिवार के साथ समवेदना प्रकट करता हूं . आशा है आप सभी कुशल से हैं

आप का

राजेन्द्र प्रसाद .

1232

राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत
National Archives of India